RAJASTHAN PATRIKA, Ahmadabad, 7.3.2020
Page No. 2, Size:(17.65)cms X (16.59)cms.

प्रशिक्षण देकर महिलाओं को दी सिलाई मशीन

बुलेट ट्रेन के साथ महिलाओं की जिंदगी भी पटरी पर दौड़ाने की कवायद

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

गांधीनगर. नेशनल हाईस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) न सिर्फ हाई स्पीड ट्रेन को पटरी पर दौड़ाने में जुटी है बल्कि महिलाओं और ग्रामीणों की जिन्दगी को भी पटरी पर लाने की कवायद कर रही है।

कहीं पर ग्रामीणों को मोबाइल रिपेयर व मिकेनिक का प्रशिक्षण देकर रोजगार दिया जा रहा है तो कहीं पर महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। महिलाओं को रोजगार के साधन भी दिए जा रहे हैं। इसके तहत शुक्रवार को अहमदाबाद के चेनपुर और रोपरा गांव की 23 महिलाओं को सिलाई मशीन भेंट की गई ताकि उनके लिए आय सृजन के अवसर बढ़ें। एनएचआरसीएल की प्रवक्ता सुष्मा गौर के मुताबिक बुलेट ट्रेन परियोजना से प्रभावितों के लिए आय बहाली कार्यक्रम प्रारंभ किए गए। इसके तहत एनएचआरसीएल ने ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थानों (आरएसईटीआई) के सहयोग से अहमदाबाद में चेनपुर और रोपरा गांव की महिलाओं के लिए 'सिलाई और टेलरिंग' प्रशिक्षण का आयोजन किया।

इन पाठ्यक्रमों को महिलाओं को कौशल सिखाने और आय सृजन करने में सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलम्ब बनाने के लिए रोपरा गांव के एक समारोह में 23 सिलाई मशीनें वितरित की गईं, जहां 100 से अधिक परियोजना प्रभावित और उनके परिवार मौजूद थे। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से 200 से अधिक प्रशिक्षु लाभान्वित हुए हैं और उनमें से कुछ लोगों को नौकरी पर रखा जा चुका है या कुछ लोग अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर चुके हैं। कॉरिडोर के अलग-अलग गांवों में मोबाइल रिपेयरिंग, ब्यूटी पार्लर, बाइक रिपेयरिंग, इलेक्ट्रीशियन आदि सहित कई समान प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।